अंतराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023

मोटे अनाज या मिलेट्स में पोषक तत्व किसी अन्य खाद्य अन्न की तुलना में बहुतायत में उपलब्ध है और इन्हीं गुणों को देखते हुए तथा लोगों में इस अन्न के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से भारत सरकार की पहल पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज या मेलेट्स वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की है | जिसका प्रस्ताव 5 मार्च 2021 को ही संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित कर दिया गया था |

भारत सरकार के इस प्रस्ताव को खाद और कृषि संगठन द्वारा वर्ष 2018 में अनुमोदित किया गया था और वर्ष 2023 में संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज या पोषक अनाज वर्ष घोषित किया गया तथा भारत सरकार के इस प्रस्ताव को 72 देशों का समर्थन प्राप्त हुआ |

पोषक या मोटे अनाजों में सम्मिलित रूप से 16 फसलें शामिल है जिनमें बाजरा,ज्वार,रागी,कुटकी,चीना या चैना, कंगनी,सावा, कोदो और ब्राउनटॉप प्रमुख है |

इन अनाजों के **प्राचीनतम प्रमाण सबसे पहले सिंधु सभ्यता** में पाए जाते हैं और **इसका उल्लेख यजुर्वेद में भी मिलता** है और **दुनिया के लगभग 131 देशों में किसी न किसी रूप इसकी कृषि की जाती है |**

मोटे अनाजों में ज्वार, बाजरा और रागी सबसे बड़े पैमाने पर उगायी जाने वाली फसलें है |

उत्पादन की दृष्टि से भारत

बाजरा के उत्पादन में भारत का प्रथम स्थान है इसके बाद नाइजीरिया और चीन का स्थान आता है **| मोटे अनाजों के उत्पादन की दृष्टि से भारत की एशिया में 80% और वैश्विक स्तर पर 20% की भागीदारी है |**

भारत के प्रमुख मोटा अनाज अनाज उत्पादक राज्य में राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश है | भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले मोटे अनाजों में बाजरा, रागी, ज्वार, कनेरी और कुट्टू प्रमुख है |

भारत द्वारा जिन प्रमुख देशों को मोटे अनाजों का निर्यात किया जाता है | उनमें **संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल, लीबिया, सऊदी अरब, मिस्र, ओमान, ट्यूनीशिया, यमन, अमेरिका तथा ब्रिटेन प्रमुख है |**

पोषक तत्व

मोटे अनाजों में प्रोटीन, फाइबर, पोटेशियम, मैग्नीशियम, नाइयासीन, फोलिकएसिड, बीटा, कैरोटिन, जस्ता, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन A, विटामिन B और विटामिन B कॉम्प्लेक्स

सभी मोटे अनाज ग्लूटेन फ्री होते हैं | अत: सीलिएक रोग से पीड़ित व्यक्ति के लिए सर्वोत्तम खाद पदार्थ है इसका **ग्लाइयिसेमिक इंडेक्स कम होता है अत: मोटापे और मधुमेह** जैसी समस्याओं से निपटने में भी कारगर है | इसमें उपलब्ध पोषक तत्वों तथा फायदों के कारण इसे **सुपर फूड** भी कहा जाता है |

उत्पादन परिस्थितियां

मोटे अनाज के उत्पादन में **अपेक्षाकृत कम पानी की** आवश्यकता होती है | अत: **शुष्क व गर्म जलवायु में तथा खराब मिट्टी में भी** इसका उत्पादन किया जा सकता है | ये फसलें कम समय में तैयार हो जाती है और अन्य फसलों की अपेक्षा उत्पादन लागत भी कम होती है | **कीटनाशकों और रासायनिक खादों का** प्रयोग न के बराबर होता है | अत: इनका उत्पादन पर्यावरण के अनुकूल है | **इसकी खेती उष्णकटिबंधीय, उपोष्णकटिबंधीय, समशीतोष्ण और शुष्क क्षेत्रों में की जाती है|**

मिलेट्स के उपभोग और उत्पादन को बढ़ाने हेतु भारत सरकार के प्रयास

- मोटे अनाजों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र ने **16 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एक्स्पो** तथा क्रेता-विक्रेता बैठकों में निर्यातकों, किसानों और व्यापारियों की भागीदारी में सहायता देने की योजना बनाई है।
- भारतीय मोटे अनाजों की ब्रांडिंग और प्रचार में विदेश स्थित भारतीय मिशनों का सहयोग लिया जाएगा साथ ही **अंतर्राष्ट्रीय शेफ्स, डिपार्टमेंटल स्टोर, सुपर मार्किट तथा हाइपर** मार्किट जैसे संभावित खरीदारों की पहचान की जाएगी |
- एपीईडीए(The Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority) ने **गुलफूड 2023, फूडेक्स, सोल फूड एंड होटल शो, सउदी एग्रो फूड, सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) के फाइन फूड शो, बेल्जियम के फूड और बेवरिज शो, जर्मनी के बायोफैक और अनुगा फूड फेयर, सेन फ्रैंसिस्को के विंटर फैंसी फूड शो** जैसे वैश्विक प्लेटफॉर्मों पर मोटे अनाजों और उसके मूल्यवर्धित उत्पादों को दिखाने की योजना बनाई है।
- सरकार रेडी टू ईट (आरटीई) तथा रेडी टू सर्व (आरटीएस) श्रेणी में **नूडल्स, पास्ता, ब्रेकफास्ट सीरियल्स मिक्स, बिस्कुट, कुकीज, स्नैक्स, मिठाई** जैसे मूल्य वर्धित उत्पादों के निर्यात प्रोत्साहन के लिए स्टार्टअप को भी सक्रिय कर रही है।
- मोटे अनाज की ब्रांडिंग और संवर्धन के लिए **लुलु ग्रुप, कैरेफोर, अल जज़ीरा, अल माया, वॉलमार्ट** जैसे प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय खुदरा सुपरमार्केट को जोड़ा जाएगा ताकि मिलेट कार्नर स्थापित किए जा सकें।

- सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मोटे अनाजों और उनके मूल्यवर्धित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए आईसीएआर-भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर) हैदराबाद, आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद, सीएसआईआर-केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई), मैसूर और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के सहयोग से पांच वर्षीय रणनीतिक योजना तैयार करना प्रारंभ कर दिया है।

- एपीईडीए ने एशिया के सबसे बड़े बी2बी अंतर्राष्ट्रीय खाद्य और आतिथ्य मेला-आहार खाद्य मेला के दौरान **5 रुपये से लेकर 15 रुपये तक** की किफायती कीमतों पर सभी आयु समूहों के लिए विभिन्न प्रकार के मोटे अनाज उत्पादों को लॉन्च किया। साथ ही **एपीईडीए ने किसानों की आय को बढ़ाने के लिए आईआईएमआर के साथ एक समझौता पर भी हस्ताक्षर** किये है।

- 2007 में मिलेट्स के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय मिलेट्स मिशन (National Millets Mission-NMM) लॉन्च किया गया |

- सार्वजनिक वितरण प्रणाली (Public Distribution System-PDS) में मोटे अनाजों को शामिल किया गया है ताकि आम आदमी तक इसकी पहुँच बनायी जा सके |

- मूल्य समर्थन योजना (Public Support Scheme-PSS) मोटे अनाजों की खेती के लिए किसानों को वित्तिय सहायता उपलब्ध करवाती है |

संकलनकर्ता :- कु.मालती (पुस्तकालयाध्यक्षा) के.वि.चमेरा नं.1

YouTube Channel: - Malti's Library Club

For more informative articles please click below provided link

https://kvchamerano1library.wordpress.com/gk-zone/%e0%a4%b5%e0%a4%bf%e0%a4%b5%e0%a4%bf%e0%a4%a7/

Image Source:-https://www.jagran.com/news/national- indus-valley-civilization-ended-due-to-drought-in-900-years-17834143.html

Information Source:-https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1874987 वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय